



संक्षिप्त

समाचार

बैंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन

- दीपके ने वोट चोर के नारे लगाए, कहा- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद

बैंगलुरु (एजेंसी)। बैंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज एसआईआर रद्द करने और सीईसी ज्ञानेश



कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'एसआईआर रद्द करो' के नारे लगवाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है।

वाराणसी में शिंजो आबे मेमोरियल कारिडोर का उद्घाटन

भारत-जापान मित्रता को मिलेगा सम्मान : पीएम मोदी

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें खुशी हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव की वह बहुत कद्र करते हैं।



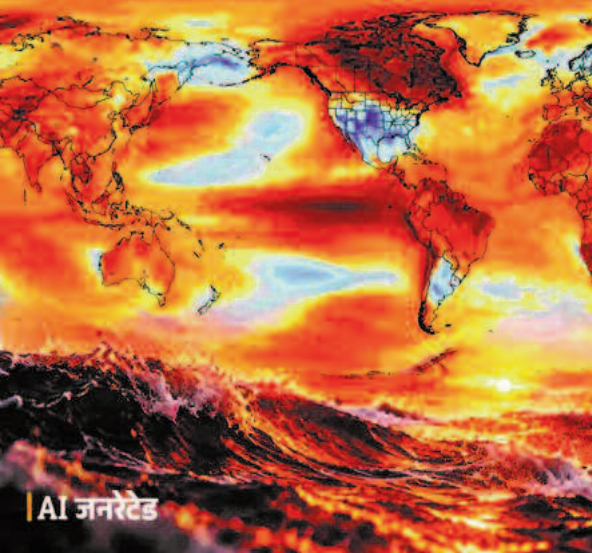
मोदी ने शिंजो आबे को भारत का करीबी मित्र और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अनुसार, वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कल 'आबे मेमोरियल कारिडोर' का उद्घाटन भारत-जापान मित्रता में आबे के अमूल्य योगदान के प्रति उचित सम्मान होगा। प्रधानमंत्री ने अकी आबे के साथ अपनी मुलाकात और कारिडोर के उद्घाटन को भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उनके संदेश में शिंजो आबे के योगदान और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव के प्रति सराहना व्यक्त की गई।

76 साल में सबसे ज्यादा गर्म हुआ प्रशांत महासागर

सुपर अल नीनो से धरती पूरी लाल, 4.5 लाख मौतों की वजह बन सकता है

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। यह 1950 के बाद का सबसे मजबूत अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं।

इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है। शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।



नवशे में धरती का ज्यादातर हिस्सा लाल दिखा- मौसम विज्ञानी रयान माउ ने पूरी दुनिया का एक जलवायु नक्शा सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें धरती का बड़ा हिस्सा लाल रंग में दिखाई दे रहा है, जो सामान्य से ज्यादा गर्म परिस्थितियों को दिखाता है। माउ के मुताबिक, अल नीनो सर्दियों में भी 'अधिकतम ताकत' के साथ बना रह सकता है। उन्होंने इसके फरवरी 2027 तक जारी रहने के डब्ल्यूएमओ के अनुमान से भी सहमत जताई है।

डब्ल्यूएमओ ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक, 2026 के आखिरी महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ऊपर रहने की बहुत ज्यादा संभावना है। जलवायु वैज्ञानिक जीक हाउसफादर ने कहा कि इस साल का अल नीनो ऐसे स्तर की ओर बढ़ रहा है, जो पहले दर्ज नहीं किया गया। वहीं मौसम विशेषज्ञ लियोन सिमंस ने इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कहा है।

अल नीनो क्या है

अल नीनो-दक्षिणी दोलन (इंएनएसओ) दुनिया के मौसम को प्रभावित करने वाला प्राकृतिक जलवायु चक्र है। अल नीनो इसका गर्म चरण है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इस बदलाव का असर प्रशांत क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान और बारिश का पैटर्न बदल सकता है। कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है तो कहीं सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। अल नीनो आमतौर पर 2 से 7 साल के अंतराल पर आता है।

मोबाइल कांग्रेस में पीएम मोदी बोले-

मोबाइल गुड गवर्नेंस का बड़ा औजार बना

बैंक, अस्पताल अब फोन में, इससे 5 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।

वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फजीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का एआई और 6 प्रतिशत पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।



अब सिर्फ बातचीत का साधन नहीं रहा मोबाइल

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं; गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

पुणे में होगा नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआई दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के

वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के सीईओ गणेश थोरात ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फार्महाउस पहुंच सकता है। यहां अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर झूम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।'



- 'परिदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड- नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों कीं। 1989 की फिल्म 'परिदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

खरगे बोले- हमारा राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना है

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सहायता मिले कि उनके फैसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि 'वोट चोरी', बढ़ती महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।



रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले दिन सांसदों को निर्वाचन आयोग के बाहर रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने

साथियों के साथ मारपीट की गई। राहुल गांधी ने राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

विपक्ष का राजघाट पर मार्च, महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

राहुल गांधी बोले- 300 सांसद शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं



नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले दो दिन से सियासत का एक ही पैटर्न दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। राजघाट पहुंचकर महात्मागांधी को श्रद्धांजलि दी। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। कल धरना देने की कोशिश करते राहुल-प्रियंका को पुलिस ने उठया था। राहुल के साथ सपा और टीएमसी समेत विपक्षी दलों के सांसद हैं। खाना होने से पहले खड़गे ने कहा कि राजघाट जाकर बापू से सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना करेंगे। राहुल ने दावा किया कि उनके साथ 300 से ज्यादा सांसद हैं।

दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राज्यसभा और

लोकसभा के करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगातार दो दिनों से प्रदर्शन करने से

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की इच्छा जताई, लेकिन वहां भी उन्हें रोक दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

- यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी ट्रफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60किमी की रफ्तार



से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई। यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं। इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लांसियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।

संपादकीय

भारत के लिए नई चुनौती

भारतीय सोलर सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी–डॉपिंग और 126.09 प्रतिशत काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा।

भारतीय कारोबार पर अमेरिका फिर बड़ा प्रहार करने जा रहा है। वहां के वाणिज्य विभाग ने भारत, इंडोनेशिया, और लाओस से सोलर सेल और सोलर पैनल के आयात पर भारी शुल्क लगाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उसका आरोप है कि "अनुचित सरकारी सब्सिडी" का लाभ उठा कर इन देशों की कंपनियों ने सस्ते उत्पाद बनाए, जिन्हें अमेरिकी बाजार में थोक भाव में उतारा गया। इन तीनों देशों में सबसे ज्यादा शुल्क भारत से होने वाले आयात पर लगाने का इरादा जताया गया है। भारतीय सोलर सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी–डॉपिंग ड्यूटी और 126.09 प्रतिशत प्रतिपूरक (काउंटरवेलिंग) शुल्क लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा।

उसने प्रस्ताव स्वीकार कर लिए, तो भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद बेचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसकी बहुत गहरी भार भारतीय सौर उद्योग पर पड़ेगी। फिलहाल, भारत के सौर मांड्यूल निर्यात का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका जाता है। जब से अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाए, उससे खाली हुई जगह को भारत और कुछ दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों ने भरा। यानी अमेरिकी सौर उद्योग को उसका लाभ नहीं मिला। इसीलिए अमेरिकी सौर कारोबारियों के संगठन इसके खिलाफ लॉबिंग में जुटे रहे हैं। उन्होंने यह प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाया कि चीनी पाट–पुजों का भारत और अन्य देशों में असेंबल होकर अमेरिका पहुंचना जारी है।

अब उन्हें सफलता मिलती दिख रही है। यह भारत के लिए नई चुनौती है। भारत को इस पर हड़ रुख अपनाना चाहिए। एक तरफ भारत तो डॉनलड ट्रंप प्रशासन के दबाव में अमेरिकी उत्पादों की खरीदारी बढ़ा रहा है, वहीं भारतीय उत्पादों की अमेरिकी बाजार में पहुंच कठिन होती जा रही है। अतः नरेंद्र मोदी सरकार को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि ऐसी गैर–व्यापार रुकावटें भारत को मंजूर नहीं है। ऐसी रुकावटों के रहते अमेरिका से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। सिर्फ ऐसे सख्त रुख से ही भारत अपने सौर एवं अन्य उद्योगों के हित की रक्षा कर सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईश्यां, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है। इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है - बुद्धेय फलं तत्त्व विचारणच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/चित्तस्य सारं स्मिक्लपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम्। अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुःख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।



योगेश कुमार गोयल

डाक टिकट की कहानी, बदलती दुनिया की

निशानी...

हमारे दैनिक जीवन में डाक के महत्व को दर्शानें तथा इसकी उपयोगिता साबित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को ह्यविश्व डाक दिवसह्म मनाया जाता है। 9 अक्तूबर 1874 को स्विट्ज़रलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद ह्ययूनिवर्सल पोस्टल यूनियनह्म का गठन किया गया था। 1 जुलाई 1876 को भारत यूनियर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बना, जो इसकी सदस्यता लेने वाला पहला एशियाई देश था। 1874 में गठित हुई ह्ययूनियर्सल पोस्टल यूनियनह्म की याद में जापान के टोक्यो में 9 अक्तूबर 1969 को आयोजित विश्व डाक संघ के सम्मेलन में इसी दिन ह्यविश्व डाक दिवसह्म मनाए जाने की घोषणा की गई और तभी से प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को ही अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम ह्यविश्व डाक दिवस: एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएंह्म है। यह थीम बदलते समय में डाक व्यवस्था की व्यापक और बहुआयामी भूमिका को रेखांकित करती है। आज डाकघर केवल चिट्ठियां और पार्सल पहुंचाने का माध्यम



दिलीप कुमार पाटक

कि ताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार बने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अन्धकार का ख़िलाफ़ दिया, लेकिन आप अपनी आखिरी सांस तक वहीं ठेठ गाँव के सीधे-सादे इंसान ही रहे। अपनी ही मक़ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफ़िर। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी। आपकी वो सादगी और बेलौस अंदाज़ ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका रूतबा। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ़ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय ढर्रा या बंदिश नहीं थी, न किसी दल में न दलदल में। आपकी तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी - प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार इंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक ख़रे इंसान के रूप में याद किया जाएगा। ससमुच आप

नहीं बल्कि नागरिकों, व्यवसायों और सरकार के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण सेतु बन चुका है। एकीकृत डाक नेटवर्क के माध्यम से बैंकिंग, बीमा, बचत, पेंशन, डिजिटल भुगतान, आधार, पासपोर्ट, ई-कॉमर्स और लांजिस्टिक्स जैसी अनेक सेवाएं लोगों को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में डाक नेटवर्क वित्तीय समावेशन तथा आवश्यक नागरिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल युग में डाक व्यवस्था तकनीक, नवाचार और मानवीय विश्वास का समन्वय करते हुए स्वयं को लगातार नए रूप में ढाल रही है। यह थीम स्पष्ट करती है कि एक मजबूत और आधुनिक डाक नेटवर्क केवल संदेश नहीं पहुंचाता बल्कि विकास, अवसर और समावेशन को भी अंतिम छोर तक पहुंचाता है।

विश्व डाक दिवस का उद्देश्य ग्राहकों के बीच डाक विभाग के उत्पादों के बारे में जानकारी देना, उन्हें जागरूक करना और डाकघरों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। भारत में पहली बार सन् 1766 में ब्रिटिश शासनकाल में लॉर्ड क्लाइव द्वारा डाक व्यवस्था की शुरुआत की गई थी, जिसका विकास करते हुए 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने पहला डाकघर कोलकाता में स्थापित किया था। उसके बाद 1786 में चेन्नई और 1793 में मुम्बई में जनरल डाकघर स्थापित किए गए। जहां तक डाक टिकटों की शुरुआत की बात है तो देश में डाक टिकटों की शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल में ही वर्ष 1852 में हुई थी लेकिन उस समय जारी किए गए टिकट केवल सिंध प्रांत में ही चल सकते थे। हालांकि विश्व में डाक टिकटों का इतिहास करीब 186 वर्ष पुराना है। डाक टिकटों की शुरुआत कब, क्यों और कैसे हुई, इसका भी दिलचस्प इतिहास है। डाक टिकटों की विधिवत शुरुआत 6 मई 1840 को हुई थी, जब एक पैनी मूल्य

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

सिनेमा के कबीर थे।

इदानी शोहरत और नेशनल अवॉर्डस जीतने के बाद भी आप अक्सर कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अच्छी हिंदी आती तो मैं बहुत अच्छा एक्टर बन जाता... मुझे गुस्सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अच्छा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जज्बा है। यही जज्बा आपको सबसे अलग और एक नायाब शख्सियत बनाता था। विश्वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पाटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते।

निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने की लालक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो ज़िंदगी के कड़वे तजुबों की भट्ठी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिंद, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहदरंगन फिल्मों से गुजरते हुए भारतीय सिनेमा की खमसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे।

आपके वो कड़क डॉयलाग महज सिनेमा की लाइनें नहीं थे, ये इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आन आदमी इस खोखले सिस्टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसें काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून...

का विश्व का पहला डाक टिकट जारी किया गया था, जिसे ह्यब्लैक पैनीह्म के नाम से जाना गया क्योंकि यह डाक टिकट काली स्याही से छपा गया था। इस डाक टिकट के अस्तित्व में आने से पूर्व डाक टिकटों के स्थान पर ह्यटप्पा टिकटोंह्म का प्रयोग होता था, जो आबताकार, गोलाकार, त्रिकोणाकार अथवा अंडाकार होते थे और इन ठप्पों पर ह्यपोस्ट पेडह्म अथवा ह्यपोस्ट नोन पेडह्म इत्यादि लिखा होता था।

प्राचीन काल में डाक सेवा का उपयोग राजा-महाराजा अथवा शाही घरानों के लोग ही करते थे और उस वक्त पत्रों अथवा संदेशों को लाने-ले जाने का काम उनके विशेषे संदेशवाहक या दूत अथवा कबूतर या अन्य पशु-पक्षी करते थे, जिन्हें बाकायदा इस काम के प्रशिक्षित किया जाता था लेकिन बाद में जब आम लोगों को भी इसकी जरूरत महसूस होने लगी तो तय किया गया कि पत्रों की आवाजाही के शुल्क का भुगतान या तो पत्र प्रेषक करेगा अथवा प्राप्तकर्ता से शुल्क लिया जाएगा लेकिन अवसर होने यह लगा कि प्रेषक पत्रों को अग्रिम भुगतान किए बिना ही भेज देता और प्राप्तकर्ता उसे लेने के बजाय वापस लौटा देता और तब प्रेषक भी शुल्क के भुगतान से बचने के लिए उसे लेने से इन्कार कर देता। इससे सरकार को अनावश्यक आर्थिक क्षति झेलनी पड़ती थी। सरकार को डाक व्यवस्था की खामियों की वजह से लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार को प्रसिद्ध आर्थिक सलाहकार रोलेण्ड हिल ने सलाह दी कि वह डाक व्यवस्था में मौजूद दोषों अथवा खामियों को दूर करने के लिए इसमें कुछ अनिवार्य संशोधन करे और डाक शुल्क के अग्रिम भुगतान के रूप में डाक टिकट तथा शुल्क अंकित लिफाफे जारी करे ताकि इनके जरिये अग्रिम डाक शुल्क प्राप्त हो जाने पर सरकार को घाटा न झेलना पड़े। अंततः ब्रिटिश सरकार ने काफी ज़ोजेजहद के बाद उनका सुझाव

स्वीकार कर लिया और तब तक चले आ रहे ठप्पा टिकटों के बजाय डाक टिकटें जारी करने का फैसला कर लिया गया। इस प्रकार 10 जनवरी 1840 को डाक टिकट का आविष्कार हो गया, जो एक पैनी मूल्य का था लेकिन इसको विधिवत 6 मई 1840 को ही जारी किया गया। इस तरह यह विश्व का पहला डाक टिकट बन गया।

आधा औंस वजन तक के पत्रों के लिए डाक टिकट का मूल्य एक पैनी और एक औंस वजन के लिए दो पैनी निर्धारित किया गया। इसके अलावा जो लोग निजी लिफाफों या रेपरो के बजाय डाक विभाग द्वारा मुद्रित सामग्री का ही प्रयोग करना चाहते थे, उनके लिए एक पैनी व दो पैनी मूल्य के लिफाफे जारी किए गए। इसके करीब तीन वर्ष बाद दुनिया के अन्य देशों में भी डाक टिकटों का प्रचलन शुरू हो गया। ब्राज़ील में 1843 में, अमेरिका में 1847 में, बेल्जियम में 1849 में और भारत में 1854 में पहली बार डाक टिकट जारी किए गए। आज लगभग हर देश में वहां के डाक टिकटों की एक बेहतरीन श्रृंखला मिल जाएगी। यही नहीं, कुछ लोग तो ऐसे भी मिलेंगे, जिन पर डाक टिकटों का संग्रह करने का ऐसा जूनून सवार रहता है कि उनके पास आरंभ से लेकर अब तक के अधिकांश डाक टिकटों की दुर्लभ श्रृंखला मिल जाएगी। डाक टिकटों के ऐसे शौकीनों की आज दुनिया भर में कोई कमी नहीं है। अमेरिका के जेम्स रूक्सिन नामक व्यक्ति के पास तो विश्व के प्रथम डाक टिकट से लेकर अब तक के लगभग तमाम दुर्लभ डाक टिकटों का संग्रह है और उनके संग्रह में 40 हजार से भी अधिक डाक टिकट शामिल हैं। डाक टिकट जितना पुराना और दुर्लभ होता है, उसकी कीमत भी उतनी ही बढ़ जाती है और डाक टिकटों का संग्रह करने के शौकीन कुछ व्यक्ति तो उसे हासिल करने के लिए मुंहमांगी कीमत देने को भी तैयार रहते हैं।



हमेशा जमीन से जुड़े रहे, मुंबई की चकाचौंध के बीच रहकर भी अपनी फकारी का दामन थामे रखा। आज रंगमंच का वो काबिले-तारीफ सितारा सच में टूट गया है। आप इस फानी दुनिया को अलविदा कहकर, उस पार के एक नए मंच की ओर निकल गए हैं। मौत का तमाशा देखने आई इस दुनिया को अपनी बेबाकी से निरस्त करके आप जा चुके हैं।यार नाना, आपकी ये बेलौस ईमानदारी, वो बेढंगी लेकिन खूबसूरत अंदाज बहुत याद आएगा। अलविदा नाना। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले



ललित गर्ग

मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है।



मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते

खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं

क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आवादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कर्मजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उतर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

एसआईआर में धांधली का आरोप, कांग्रेस मां के आभूषण किए चोरी, समेत इंडिया गठबंधन के दलों का प्रदर्शन पुलिस ने किया गिरफ्तार

राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, एसआईआर पर रोक लगाने और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाते हुए इंडिया गठबंधन से जुड़े कांग्रेस समेत अन्य दलों ने गुरुवार को नगर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जगदीश कुलियाल व विपिन उनियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता तहसील परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में एसआ-

ईआर प्रक्रिया संदेह के घेरे में है। आरोप लगाया गया कि एसआईआर की आड़ में कई प्रदेशों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जिससे वे अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने और एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने महंगाई और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग भी की। साथ ही शिक्षा पाठ्यक्रमों से देश के सपूतों के इतिहास को नहीं हटाने, देश और प्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री पर रोक लगाने तथा निजीकरण पर रोक लगाने की



तहसील में प्रदर्शन करते इंडिया गठबंधन के सदस्य

मांग उठाई। ज्ञापन में अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच पूरी कराने और लालदांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलीवेटेड किए जाने की मांग भी शामिल रही। इस दौरान प्रवीन रावत, गीता नेगी,

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : खुद के घर में चोरी कर मां के सोने के आभूषण लेकर फरार हुए युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक पुलिस से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। आरोपी के कब्जे से चोरी के आभूषण भी बरामद हुए हैं। मामले में सात अक्टूबर को बालासोड़ में भाटिया कालोनी निवासी अनीता की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। बताया कि उनके बेटा दीपांशु राजपूत अपने घर में चोरी कर उनके लाखों रुपये के आभूषण लेकर चला गया। बताया कि उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद किया हुआ है। तहरीर मिलने के बाद आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपित दीपांशु राजपूत को राजस्थान के



कोटद्वार कोतवाली में घर में चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक

झालूपुर-जयपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपित के पास से 10.50 तोला सोना व 891 ग्राम चांदी भी बरामद की गई। कांतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने स्वजनों से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि दीपांशु को महंगे खर्च की आदत है। वह स्वयं भी कोई काम नहीं करता और उनके अपने शौक पूरे करने के लिए घर में ही चोरी की योजना बनाई।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर पुलिस सख्त, दो वाहन सीज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। गुरुवार को पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों समेत विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए, जबकि नाबालिगों के वाहन चलाने पर दो वाहनों को सीज कर दिया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया समेत अन्य वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की। बिना हेलमेट वाहन चलाने, आवश्यक दस्तावेज पूरे न रखने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के

खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाए जाने के मामले में पुलिस ने दो वाहनों को सीज किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आमजन का यातायात नियमों के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन की चाबी न दें। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस के साथ ही आमजन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यातायात नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट मंत्री ने किया

रामलीला और जीआईटीआई मैदान का निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रामलीला मैदान और जीआईटीआई मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों इसके लिए रामलीला मैदान को और भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

जीआईटीआई मैदान के निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। कहा कि जीआईटीआई मैदान को विकसित कर यहां खेल स्टेडियम बनना है। उन्होंने टटल निर्माण कार्य समाप्त के बाद स्टेडियम का स्वरूप कैसा होगा इस संबंध में रेलवे अधिकारियों से जानकारी ली। पैकेज-6 के परियोजना निदेशक पीयूष पंत उन्हें जानकारीयें उपलब्ध कराईं। उपजिलाधिकारी श्रीनगर गुप्तरू वर्मा, तहसीलदार दीपक भंडारी के साथ ही रेलवे के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं देश राम उच्च शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजकीय महाविद्यालय खिर्सी में निर्माणाधीन कॉलेज भवन व छात्रावास का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप व समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत कैबिनेट मंत्री ने महाविद्यालय परिसर में आयोजित हल्हप्रवेशोत्सवहल्ह कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कॉलेज में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के नए सफर की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद भाजयुमो की ओर से खिर्सी में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने स्थानीय युवाओं से संवाद कर उनके सुझावों, विचारों और आकांक्षाओं को जाना। इस मौके पर संपत सिंह रावत, मीना गैरोला, अनिल भंडारी, गणेश नेगी, संपीय रावत आदि मौजूद रहे।

स्कूलों में प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त किये जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड समाज कार्य संघ ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में समाज कार्य विषय शुरू करने और स्कूलों में प्रशिक्षित काउंसलर की नियुक्त करने की मांग की है। संगठन ने इस संबंध में शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य पात्रता परीक्षा में भी समाज कार्य विषय को शामिल कर छात्रों को परीक्षा का अवसर प्रदान किया जाए। समाज कार्य परिषद के प्रदेश सचिव अतुल सती ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में छात्रों को केवल विषयगत शिक्षा नहीं वरन सामाजिक, मानसिक और करिअर संबंधी मार्गदर्शन की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता समय की मांग है। ज्ञापन सौंपने वालों में अंकुर रावत, आशीष पंत आदि मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्र के लिए

सजने लगे देवी मंदिर

श्रीनगर गढ़वाल : शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे हैं। इसे लेकर श्रीनगर और आसपास के प्रमुख देवी मंदिरों में तैयारियां तेज हो गई हैं। कल्यासोड़ स्थित धारी देवी मंदिर, कंसमर्दिनी मंदिर, नंदा देवी मंदिर और देवलगढ़ स्थित नंद राजशेखरी मंदिर में मंदिर समितियों और पुजारियों की ओर से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विधायक ने टीवी

मुक्त भारत की

दिलाई शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय से टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जोश टीम को हरी झंडी दिखाकर हिमिन विकासखंडों के लिए रवाना किया।

कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पौरी ने उपवाग्धीन क्षय रोगियों को पोषण किट वितरित किए। उन्होंने अधिकारियों, एनसीसी कैडेट्स, माय भारत वॉलंटियर्स आदि को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई। सीएमओ डॉ. मेघना अस्वाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए समय पर जांच, नियमित उपचार और जन-जागरूकता जरूरी है। जनपद में विकासखंडवार 15 नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। प्रत्येक नोडल अधिकारी के साथ पांच-पांच एनसीसी कैडेट व माय भारत वॉलंटियर्स को भी शामिल किया गया है। इस मौके पर डॉ. श्वेता नवानी, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अलीशा, चीफ फार्मासिस्ट जेपी टट्टा आदि मौजूद रहे।

संस्कृत को जन-जन की भाषा बनाने का आह्वान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड संस्कृत संस्थान, उत्तराखंड सरकार की ओर से आयोजित पौड़ी जनपद की जनपद स्तरीय संस्कृत स्पर्धाओं का समापन हो गया। इस दौरान बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सिद्धबली मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लैसडोन विधायक दिलीप सिंह रावत, समिति के अध्यक्ष डॉ. जेपी ध्यानी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि महंत दिलीप रावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए संस्कृत को पुनः जन-जन की भाषा बनाना आवश्यक है। संस्कृत के प्रति आमजन में रुचि बढ़ाने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कृत भाषा के अध्ययन और प्रचार-प्रसार में योगदान देने का आह्वान किया। वरिष्ठ वर्ग की समूह नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दुगड्डा प्रथम, ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी द्वितीय और



आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

राजकीय इंटर कॉलेज कुम्भीचौड़ तृतीय रहा। समूह गान में जनता इंटर कॉलेज कमलपुर-संगलाकोटी ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार ने द्वितीय और पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कण्ठवाटी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आशु भाषण में ब्रिगेडियर

विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी प्रथम, संस्कृत विद्यालय चैधार द्वितीय और श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय श्रीनगर तृतीय रहा। श्लोकोच्चारण में संस्कृत विद्यालय चैधार प्रथम, ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी द्वितीय

और श्री ज्वाला धाम संस्कृत विद्यालय पौड़ी तृतीय रहा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी ने प्रथम, श्री ज्वाला धाम संस्कृत विद्यालय पौड़ी ने द्वितीय और श्री ज्वाला देवी संस्कृत महाविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग की नाटक प्रतियोगिता में ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी प्रथम, श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय श्रीनगर द्वितीय और राजकीय इंटर कॉलेज बनचूरी तृतीय रहा। कार्यक्रम में श्री सिद्धबली संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य आचार्य अशोक जोशी, जनपद संयोजक रोशन लाल गौड़, जनपद सह-संयोजक डॉ. रमाकांत कुकरोती, दुगड्डा खंड संयोजिका बीना गौड़, कोट ब्लॉक संयोजक डॉ. विश्वकसेन दुदुपड़ी, आचार्य दीपेंद्र डिमरी, इन्द्रेन्द्र नेशानी, जयहरीखाल ब्लॉक प्रमुख रणवीर सजवाण सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अंग्रेजी बोलने का आत्मविश्वास बढ़ाएगी कार्यशाला

पीजी कॉलेज कोटद्वार में विद्यार्थियों को संचार

कौशल के साथ व्यक्तित्व विकास के गुर सिखाएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार, डॉ. पी.डी.बी.एच. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा एवं संचार कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से स्मोकन इंग्लिश फाउंडेशन कोर्स का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा में प्रभावी संवाद, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर कक्षा के सभी संकाय के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. डी.एस. नेगी ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक एवं वैश्विक परिवेश में अंग्रेजी भाषा में प्रभावी संचार कौशल विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि "केवल विषयगत ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में अपनी बात को आत्मविश्वास एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता भी विकसित होना आवश्यक है।"

प्राचार्य ने वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल-विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को रोजगारपरक, आत्मनिर्भर एवं भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से इस अवसर का अधिकतम



लाभ उठाने तथा नियमित अभ्यास के माध्यम से अपने संचार कौशल को बेहतर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वाधवानी फाउंडेशन की ओर से डॉ. पंकज शर्मा

(प्रोजेक्ट लीड), धर्मेन्द्र सिंह चौहान (एरिया कोऑर्डिनेटर) एवं पवन बलूनी (प्रोजेक्ट मैनेजर) उपस्थित रहे। महाविद्यालय की ओर से डॉ. निशांत भट्ट (नोडल/संयोजक), डॉ.

वर्षा सिंह (सदस्य), डॉ. रजनी बाला (सदस्य) एवं डॉ. जितेन्द्र सिंह (सदस्य) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वाधवानी फाउंडेशन स्किल डेवलपमेंट समिति के डॉ. सुरेश कुमार (संयोजक), डॉ. अंशिका बंसल (सदस्य), डॉ. सुनीता नौटियाल (सदस्य), डॉ. जितेन्द्र दिवाकर (सदस्य) एवं डॉ. ऐश्वर्या राणा (सदस्य) भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. दीपक पाण्डेय ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं इसके माध्यम से प्राप्त होने वाले कौशल-विकास के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से कक्षाओं में प्रतिभाग करने एवं अंग्रेजी संचार कौशल के निरंतर अभ्यास का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रशासन द्वारा वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

प्रतिष्ठानों से लिए कुट्टू के आटे के सैपल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आगामी त्योहारी सीजन व नवरात्रि को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से बाजार क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुट्टू के आटे के सैपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजे।

नवरात्रि के महेनजर टीमें ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुट्टू के आटे के चार नमूने लिए। सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य विषेक्षणशाला, रुद्रपुर भेजा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को उच्च गुणवत्ता वाले कुट्टू के आटे एवं अन्य व्रत सामग्री का हो विक्रय करने में निर्देश दिए गए। साथ ही कुट्टू के आटे की खरीद एवं बिक्री से संबंधित बिल सुरक्षित रखने को कहा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने व्यापारियों को व्रत सामग्री के खराब में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एक्सपायरी डेट वाले अथवा मिथ्या छाप (भ्रामक



लेबलिंग वाले) खाद्य पदार्थों का विक्रय एवं भंडारण न किया जाए। खाद्य पदार्थों का भंडारण निर्धारित एवं उचित तापमान पर करना भी सुनिश्चित करने को कहा गया। विभाग की ओर से उपभोक्ताओं से भी अपील

की गई है कि वे व्रत एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। खुले एवं अश्वामानक खाद्य पदार्थों की खरीद से बचें। पैकबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय लेबल पर अंकित जानकारी, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि आदि की जांच करने के बाद ही खाद्य सामग्री खरीदें। प्रत्येक खरीदारी पर पक्का बिल लेना भी सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और नमूना संग्रहण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का फूँका पुतला



जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर बीरगंखाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं और जांच

एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी है और कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी। इस मौके पर कांग्रेस नेता कवींद्र इटवाले ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं और देश में मतदाताओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस देशभर में लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को लेकर आवाज उठा रही है।

कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता कथित वोट चोरी के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष ने किया। इस दौरान जगदीश बिट्ट, पूर्व प्रमुख राजेश कंडारिया, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विमल कोली, प्रेम बहुखंडी, बचन सिंह, बलवंत सिंह, विष्णु रावत, बलवीर रावत, अमन, महिलाशाल,

राजी राम, देशबंधु बिट्ट, विजयपाल सिंह नेगी, रोहित स्मोला, विमल रावत समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त का किया पुतला दहन

श्रीनगर गढ़वाल : महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने गोला पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका और प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कथित वोट चोरी और चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गोला पार्क में एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सुवालों का निर्वाचन आयोग को गंभीरता से जवाब देना चाहिए। उन्होंने चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाए रखने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने आगामी 2027 के चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प भी लिया।

किसानों ने सीखें मौनपालन, सब्जी और मशरूम उत्पादन के गुर

श्रीनगर गढ़वाल : औद्योगिक प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। विषय विशेषज्ञों द्वारा 90 से अधिक कृषकों को मौनपालन, मशरूम उत्पादन और फल-सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सहायक निदेशक रविंद्र बिट्ट ने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण का लाभ उठाकर किसान उच्च गुणवत्ता के फल एवं सब्जियों का उत्पादन कर अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकते हैं। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर राहुल रावत ने मौनपालन, डा. अंकित सती ने मशरूम उत्पादन तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डा. तेजपाल सिंह बिट्ट ने फल एवं सब्जी उत्पादन की तकनीकी जानकारी किसानों को दी। विशेषज्ञों ने किसानों को उत्पादन की आधुनिक विधियों के साथ बेहतर गुणवत्ता और आय बढ़ाने के लिए अग्रिमार्ग देने वाली तकनीकों के बारे में भी बताया। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी
 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पीएस, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा देहरादून स्टेशन पर पार्किंग के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई-बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 26.10.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
 कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुरादाबाद 3501/2026
चाहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी सूचना
 पंजीकृत संस्थाओं से वाणिज्यिक वित्तीय आनुबंध, किराना सह वाणिज्यिक कियोस्क, प्रीमियम ब्रांड आउटलेट, फूड बैंक, सैलून कियोस्क, बैटरी चालित वाहन आदि के अनुबंधों के आवंटन हेतु वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोधिण, (ए.सी.ओ), मुरादाबाद (ACO) द्वारा दिनांक 23.10.2026 & 26.10.2026 को IREPS के माध्यम से ई-नीलामी हेतु बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। संबंधित कैटलॉग IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पहले ही प्रकाशित किए जा चुके हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।
 चाहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3476/226

ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर पांच आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पोषण माह के समापन अवसर पर विकासखंड कलजीखाल के बाल विकास विभाग के सभागार में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का 9वां पोषण अभियान का समापन हुआ। इस मौके पर ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री निहारिका धारकोट, मंजू भट्ट ओलना को संयुक्त रूप में प्रथम स्थान, रेखा नेगी नौली बूंगा द्वितीय स्थान, कविता देवी अनेथ, सुनीता देवी बिलखेत को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वहीं केंद्रों में बेहतर कार्यों के लिए तीन कार्यकत्रियों को भी सात्वना पुरस्कार दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री झटकंडी मुन्नी देवी, तंगोली की ज्योति देवी, महडू रेखा बिष्ट को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, समाजिक कार्यकर्ता एवं पीएलवी जगमोहन डांगी ने संयुक्त रूप में किया। ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने पोषण माह के दौरान



आयोजित विभिन्न गतिविधियों की सगहना करते हुए कहा कि पोषण माह के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही जनसामान्य तक पोषण संबंधी संदेश पहुंचाने का कार्य किया गया। समाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ ग्रामीण पत्रकार जगमोहन डांगी ने आंगनबाड़ी

कार्यकत्रियों से संवाद कर पोषण एवं बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आस पास घेरलू हिसा या किसी भी प्रकार से पीड़ित महिलाओं के संरक्षण के लिए बाल विकास विभाग के तत्वधान में वन स्टॉप सेंटर संचालित किया जा रहा है। जहां कोई भी महिला 15

दिन तक निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान कर सकती है। उन्होंने महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। सीडीपीओ सुष्मा रावत ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में गत वर्ष शुरू किए गए प्रोजेक्ट वचन के तहत अब तक कई आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मुख्यातिथि के हथों स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले में आरधना देवी, सुनीता देवी, पूर्णिमा देवी, सोनी देवी, ऊषा देवी, सुधा थपलियाल, सुशीला देवी, सरिता देवी, दमयंती देवी शामिल थीं। इस अवसर सुषमाइजर माया राणा, समाजिक कार्यकर्ता उदय सिंह राणा, कनिष्ठ सहायक महाराज सिंह, ब्लॉक समन्वक शारोषी पटवाल, गोपाल कुमार आदि मौजूद थे।

रामलीला में धनुष खंडन के मंचन को देखने उमड़ी दर्शकों की भीड़



उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में आदर्श रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के तीसरे दिन बुधवार रात पुष्पाटिका, गौरी पूजन, धनुष खंडन और परशुराम-लक्ष्मण संवाद का मंचन किया गया। धनुष

खंडन का मंचन देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में दर्शक रामलीला मैदान पहुंचे। रात को पुष्पाटिका प्रसंग में माता सीता की ओर से गौरी पूजन का भावपूर्ण मंचन किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम और सीता के स्वयंवर का प्रसंग मंचित हुआ। धनुष खंडन के दौरान विभिन्न देशों से आए राजा-महाराजाओं की भूमिका निभा रहे कलाकारों ने अपनी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों को खूब गुरगुराया। रामलीला के दौरान कलाकारों के अभिनय और संवाद प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। देर रात तक मैदान में दर्शकों की भीड़ जुटी रही। इस मौके पर महेंद्र सिंह पंवार, चंद्रमोहन सिंह पंवार, खुशहाल सिंह चौहान, विजय चौहान, केसर सिंह सजवाण, प्रवीण कैतुरा, सुमन राणा, विनोद नेगी मौजूद रहे।

एक नजर

ठेकेदारों ने नगर पंचायत को दी एक सप्ताह की चेतावनी

नौगांव (उत्तरकाशी)। नगर पंचायत के विकास कार्यों का भुगतान लेते समय ठेकेदारों से दो प्रतिशत आवकर तो काट लिया गया लेकिन यह रकम विभागीय पोर्टल पर दर्ज नहीं होने से ठेकेदारों में आक्रोश है। ठेकेदार संघ ने नगर पंचायत प्रशासन को एक सप्ताह के भीतर समस्या हल नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ठेकेदार संघ का आरोप है कि बार-बार आग्रह के बावजूद नगर पंचायत प्रशासन मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उनका कहना है कि जब भुगतान से टेक्स की रकम काटी जा रही है तो उसका रिफाई भी समय पर पोर्टल पर दर्ज होना चाहिए। रिफाई अपडेट नहीं होने से उन्हें आर्थिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर परेशानी उठानी पड़ रही है। संघ अध्यक्ष विजय राणा के नेतृत्व में ठेकेदारों ने अधिशासी अधिकारी को जापान सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। जापान देने वालों में मनवीर बत्वाल, विशाल मणि डिमरी, संजय रावत, सोबन सिंह, अर्जुन सिंह, प्रताप सिंह और सुनील सिंह आदि शामिल रहे।

31 दिन के आंदोलन के बाद बढ़ी पुनर्वास की उम्मीद

चिन्मालीसोड़। टिहरी बांध परियोजना से प्रभावित भलडगांव के 35 परिवारों के पुनर्वास की लड़ाई अब आंदोलन से निकलकर तकनीकी जांच के निर्णायक दौर में पहुंच गई है। एक माह के भीतर विशेषज्ञ समिति से स्थलीय निरीक्षण कराने के प्रशासन के आश्वासन के बाद वैज्ञानिकों की टीम ने भलडगांव और चिन्मालीसोड़ क्षेत्र का निरीक्षण किया।

भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रामसुन्दर नौटियाल ने विशेषज्ञ समिति के साथ बैठक में हड्डियाड़ी के समीप हो रहे भू-क्षरण और विकासखंड परिसर के नीचे जोगया मोटर मार्ग से पीपल मंडी तक लगातार हो रहे भू-क्षरण का मुद्दा उठाया।

उन्होंने चिन्मालीसोड़ कस्बे की सुरक्षा के लिए सुस्था बाजार समेत आवश्यक सुरक्षात्मक कार्यों पर भी जोर दिया। भलडगांव के 35 परिवारों के पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीण 31 दिनों तक धरने पर बैठे थे। पिछले माह ग्रामीणों ने धरने को जनप्रतिनिधियों के आश्वासन पर समाप्त किया। उस दौरान पुनर्वास निदेशक और जिला प्रशासन ने एक माह के भीतर विशेषज्ञ समिति से स्थलीय निरीक्षण कराने का भरोसा दिया था।

बाजगियों ने की पीआरडी में नियुक्ति और मानदेय देने की मांग

उत्तरकाशी। देवभूमि डोल सागर कलामंच बाजगी समुदाय ने मंदिरों में डोल, नगाड़े और रणसिंगा बजाने के लिए बाजगी परिवारों को पीआरडी के माध्यम से नियुक्ति देने और प्रतिमाह मानदेय देने की मांग की है। साथ ही 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बाजगी परिवारों के मुखियाओं को पेंशन देने की मांग उठाई। मांगें पूरी न होने पर 15 दिसंबर से रामलीला मैदान में अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी।

कला मंच के जिलाध्यक्ष भन्याय दास ने कहा कि धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बाजगी समुदाय पारंपरिक वाद्ययंत्रों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही उत्तराखंड आंदोलन में भी समुदाय के लोगों ने सक्रिय भागीदारी की थी। इसके बावजूद बाजगी परिवारों के हितों के लिए ठोस पहल नहीं की जा रही है। उन्होंने प्रदेश और जिले में 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बाजगी परिवारों के मुखियाओं को पेंशन देने, विधवा और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को भी पेंशन देने की मांग की। वहीं, 60 वर्ष से कम आयु में परिवार के मुखिया की असामितिक मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये की सहायता देने की मांग भी रखी। उन्होंने इस संबंध में डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को जापन भेजा। इस मौके हरिदास, पुलम दास, राजूदास आदि मौजूद रहे।

अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने किए बदरीनाथ के दर्शन



बदरीनाथ। हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने बृहस्पतिवार को बदरीविशाल के दर्शन किए। दोपहर

मिला। प्रशंसकों ने मोबाइल से उनकी तस्वीरें खींचीं।

अब गांवों की चौखट तक पहुंचेगा टीबी से जंग का संदेश

उत्तरकाशी। टीबी के खिलाफ चल रही जंग को अब गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने की तैयारी तेज हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने जोश (ज्वाइंट स्मयंड फॉर हेल्थ) टीमों को मैदान में उतार दिया है। विकासखंड स्तर पर गठित ये टीमें गांव-गांव पहुंचकर टीबी के लक्षणों की पहचान, बचाव, जांच और नियमित उपचार को लेकर लोगों को जागरूक करेंगी। साथ ही संभावित मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में भी मदद करेंगी। जनपद में अभियान का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान और जिलाधिकारी डॉ. प्रशांत आर्य की मौजूदगी में जोश टीम के वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों

ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जलाई। गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने कहा कि टीबी को खत्म करने के लिए केवल स्वास्थ्य विभाग के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। जिलाधिकारी डॉ. प्रशांत आर्य ने कहा कि जोश टीमें ग्रामीण आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच प्रभावी कड़ी बनेंगी। इस मौके पर सीएमओ डॉ. श्याम विजय, सीएमएस डॉ. बीएस रावत, एसीएमओ डॉ. पीएस पोखरियाल, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. वीरेंद्र पांगती, डॉ. कुलबीर राणा, डॉ. मुकेश राय, अजय बिष्ट समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, माय भारत स्वयंसेवक और एनसीसी कैडेट मौजूद रहे।

सैण-सुमल्ता मार्ग का अफसरों ने किया निरीक्षण

कर्णप्रयाग। सैण-सुमल्ता-केलापाणी-कोलाहुड़ी मार्ग पिछले एक सप्ताह से बंद है। बारिश से हुए दलदल और भू-संसाव के कारण 50 से अधिक परिवारों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों की शिकायत पर बृहस्पतिवार को लोनिवि के अफसरों ने मार्ग का निरीक्षण किया। मार्ग बंद होने से स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को लगभग पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर सुरक्षा दीवार, काँजवे और नाली का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं है। एक दशक पहले बनी इस सड़क का सुधारीकरण और डामरीकरण कोषों में नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से सड़क के सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग की। वहीं लोनिवि गौरव के अधिशासी अभिज्ञा सुनील कुमार ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था कर वाहनों की आवाजाही जल्द सुचारु की जाएगी। सड़क का निरीक्षण कर लिया गया है।

नौकरी के साथ खेती किसानों से हो रही अच्छी कमाई

जिलासु। तहसील के उत्तरी गांव के अतिथि शिक्षक मुकेश नेगी नौकरी के साथ जैविक खेती कर रहे हैं। वह करीब 9-10 वर्षों से इस काम में जुटे हैं। इस साल उन्हें जैविक सब्जियों से लगभग 45 से 50 हजार रुपये की आमदनी हुई है। मुकेश नेगी अपने घर में तीन से चार नाली जमीन पर खेती कर रहे हैं। उनके खेत में भिंडी, लौकी, करेला, नींबू, ककड़ी और चिंचिंडा जैसी सब्जियां पैदा होती हैं। इन सब्जियों की आपूर्ति वह लंगसू, सोलाता और जिलासू क्षेत्र में भी करते हैं। मुकेश नेगी के मुताबिक उन्होंने



वर्ष 2026 में अब तक 30 से 35 ब्रिंटल सब्जियां बेची है। यह काम वह खुद को छुट्टी के बाद ही करते हैं। मुकेश नेगी की जैविक खेती को देखकर आसपास के कई लोग प्रेरित हुए हैं। वे भी

अपनी जमीन पर खेती शुरू कर रहे हैं। मुकेश नेगी कहते हैं कि गांव में रहकर भी खेती से अच्छी आमदनी हो सकती है। उनकी यह पहल स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है।

श्रीराम के राजतिलक के साथ काशीरामपुर तल्ला की रामलीला का समापन

पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे राम, भरत मिलाप के बाद हुआ राजतिलक, कलाकार सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काशीरामपुर तल्ला में आयोजित रामलीला का भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ विधिवत समापन हो गया। अंतिम दिन मंच पर लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम के सीता, लक्ष्मण और हनुमान के साथ पुष्पक विमान से अयोध्या लौटने, भरत मिलाप और राजतिलक के भावपूर्ण प्रसंगों का मंचन किया गया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। सिद्धबली मार्ग स्थित बाल रामलीला कमेटी के मंच पर आयोजित रामलीला के शुभारंभ अवसर पर डॉ. अरुण मिश्रा, डॉ. सौरभ मिश्रा, काँवड़ सेवा समिति के अध्यक्ष पूर्णचंद्र पुरी और वीरेंद्र नामदेव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। रामलीला के प्रारंभिक प्रसंगों में राजा दशरथ की संतान प्राप्ति की चिंता, श्रृंगी ऋषि द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ कराए जाने और इसके बाद राम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न के जन्म का मंचन किया गया। चारों भाइयों के नामकरण के प्रसंग ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद मुनि विश्वामित्र के आश्रम में सुबाहु और मारीच द्वारा

उत्पात मचाने का दृश्य दिखाया गया। राक्षसों से ऋषियों की रक्षा के लिए विश्वामित्र राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण को अपने साथ ले जाते हैं। मार्ग में भगवान राम द्वारा ताड़का वध का भी प्रभावी मंचन किया गया। रामलीला के अंतिम दिन भगवान श्रीराम के लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद सीता, लक्ष्मण और हनुमान के साथ पुष्पक विमान से अयोध्या लौटने का दृश्य मंचित किया गया। अयोध्यावासियों ने फूलों की वर्षा कर भगवान श्रीराम का स्वागत किया। इसके बाद राम-भरत मिलाप का भावुक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। अंत में भगवान श्रीराम को मुकुट पहनाकर उनका राजतिलक किया गया। राजतिलक के साथ ही रामलीला का समापन हुआ। इस दौरान दर्शकों ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। रामलीला कमेटी की ओर से मंचन में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर संजय मित्तल, ओमप्रकाश भाटिया, नितिन गुप्ता, विनय भाटिया, सुशील जैन, सुरेश गोयल, अजय कश्यप, मीना सेमवाल, कुसुम मोंगिया, डॉ. घनानंद शर्मा, कमेटी अध्यक्ष कांति तिवारी, विवेक बनियाल, शोभन लाल गुप्ता, संजीव थपलियाल, सुरेशानंद देवतौली, रघुवीर सिंह ठाकुर, नारायण सिंह भंडारी, लक्ष्मी नेगी, अनिता शर्मा और मालती बिष्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चुनाव आयोग के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस, पुतला फूँका



बाद नगर में निकले मार्च निकालकर बस अड्डे पर पुतला दहन कर कांग्रेस ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा

गायत्री सेमवाल, नैन सिंह बिष्ट, प्रकाश चंद सेमवाल, कनकपाल सिंह परमार, कमल सिंह रावत, विजेंद्र नौटियाल, अनुराग रंगड शमिल थे।

कर्णप्रयाग को तीन नई सड़कों की सौगात

कर्णप्रयाग। ब्लॉक के दुर्गम गांव गुनाड़, कोली तल्ली और खालबार माठा सहित छह से अधिक गांव जल्द सड़क सुविधा से जुड़ेंगे। कर्णप्रयाग को तीन नई सड़कों की सौगात मिली है। साथ ही 15.05 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है जिसमें से इन गांवों के ग्रामीणों को तीन से साढ़े तीन किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई पार कर आवाजाही करनी पड़ती है।

कुल 9.125 किलोमीटर लंबी इन तीन नई सड़कों के सर्वे, एलाइनमेंट, मुदा परीक्षण, वन अधिनियम की फाइनल और डीपीआर तैयार करने के लिए 15.05 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है जिसमें से लोक निर्माण विभाग गौरव के पास दो और लोनिवि कर्णप्रयाग के पास एक सड़क का जिम्मा है। विधायक अनिल नौटियाल ने बताया कि इन सड़कों के बनने से ग्रामीणों का सफर सुगम होगा। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में मदद मिलेगी और स्थानीय कृषि व बाजार कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा।

पांच किमी पैदल दूरी नापने को मजबूर हैं ग्रामीण

उत्तरकाशी। डुंडा विकासखंड का छमरोली गांव आज भी सड़क से नहीं जुड़ पाया है। स्थिति यह है ग्रामीणों को आज भी पांच किमी की दूरी तय कर गांव पहुंचना पड़ता है। कई बार शासन-प्रशासन से गुहार लगाने के बाद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने के कारण अब उन्होंने आरमार की लड़ाई का मन बना लिया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को जापान सौंपकर कहा कि अगर 15 दिन के भीतर सड़क निर्माण संबंधी कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो उन्हें धरासू-यमुनोत्री हाईवे पर शिवगुफा में चक्काजाम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्राम प्रधान कन्है देवी, सुशीला, राजेश्वरी, कमलेश्वर, महेशचंद्र, हरीश का कहना है कि वर्षों से वह

सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन उस पर किसी प्रकार की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। शासन की ओर से स्वीकृति के बाद लोनिवि ने सर्वे भी किया लेकिन उसके बाद विभाग की ओर से इस पर आगे किसी प्रकार की प्रक्रिया को नहीं बढ़ाया गया। इससे आज भी लोगों को सड़क तक पहुंचने के लिए चार से पांच किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। किसी व्यक्ति के बीमार या गर्भवती को सड़क तक पहुंचाने में खतरा बना रहता है। इससे पूर्व ग्रामीणों ने लोकतंत्र की किसी भी प्रक्रिया में प्रतिभाग करने का निर्णय लिया था। लेकिन उसके बावजूद भी सुनवाई न होने पर उन्हें यमुनोत्री हाईवे चक्काजाम करने की रणनीति पर विचार करना पड़ा है।

बरसात में बदहाल सड़कें नहीं हुई ठीक



पोखरी (चमोली)। बरसात बीत चुकी है लेकिन ब्लॉक पोखरी की कई सड़कों की स्थिति अभी बदहाल बनी है। दोनों ओर झाड़ियां उगने से सड़क पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया है। नालियों की सफाई नहीं होने से बारिश का पानी सड़क पर बहने

लगता है। पोखरी-रुद्रप्रयाग, पोखरी-गोेश्वर, पोखरी-कर्णप्रयाग सहित विभिन्न ग्रामीण सड़कों की स्थिति बदहाल स्थिति में है। पूर्व में लोनिवि में गैंगमैन सड़कों की सफाई करते रहते थे लेकिन अब विभाग के पास गैंगमैन नहीं है। इससे न तो सड़क किनारे की झाड़ियां काटी जा रही हैं न ही नालियों की नियमित सफाई हो पाती है। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ियों के कटान के लिए

मजदूर लगाए गए हैं। नालियों की सफाई के लिए ठेकेदार से जेसीबी लगाई जा रही है। गैंगमैन की आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

बदरीनाथ हाईवे पर कहीं गड़ों से राहत, कहीं लग रहे झटके

कर्णप्रयाग। नगर से लगे बदरीनाथ हाईवे पर कुछ जगह विभाग ने गड़ों का भरण कर दिया है जबकि कुछ जगहों पर अब भी लोग वाहनों में झटके खाकर सफर कर रहे हैं। नगर से लगे बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग से लंगसू तक सड़क पर कई जगह गड़ों से परेशानी सामने आई। इसके बाद एनएच ने गांधीनगर और मंडी समिति के पास वाले मोड़, कनखुल सड़क के पास और ऊर्जा की निगम के नीचे हाईवे के बुरे हाल है। ऊर्जा निगम के नीचे और मंडी समिति के मोड़ पर बने गड़ों पर कई बार वाहन फंस रहे थे। यही नहीं वहां दोपहिया वाहन चालकों को सवारी उतारकर वाहन चलाना पड़ रहा था।

अमर उजाला ने अपने एक अक्बूर के अंक में हाईवे की कर्णप्रयाग से लंगसू तक पड़ताल की। इसमें कई जगह गड़ों से परेशानी सामने आई। वहीं समस्या को लेकर कालेश्वर के पूर्व प्रधान हरीश चौहान एसडीएम और जिला प्रशासन को पत्र सौंपा था। इसके बाद एनएच ने गांधीनगर और मंडी समिति के मोड़ के गड़ों को ठीक किया। अनूप डिमरी ने बताया कि ऊर्जा निगम के नजदीक अब भी बड़े गड़ों बने हैं। वहीं एसडीएम अलकेश नौडियाल ने बताया कि हाईवे और वाहन फंस रहे थे। यही नहीं वहां एनएचआईडीसीएल को पत्र भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, ‘मेरी एक कॉल तय है।’ जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ‘बहुत जल्द। एक रिपोर्टर ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल इसी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, ‘अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।’ ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्प्रीरो पॉइंट में अलग से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सोचा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, ‘मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जल्द होने वाला है।’ ट्रंप ने कहा, ‘उस जग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुख है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।’

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में पलाईदुबई, मिला झटका

दुबई, एजेंसी। पलाईदुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है. कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्मान अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हैरान है. इस बीच खबर है है कि पलाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नम्रजूर कर दिया गया है, रिपोर्ट के मुताबिकपलाईदुबई ने इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. पलाईदुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उसे फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, पलाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रान्सपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

‘न तेल, न इकोनॉमी.. कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यवस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तेल बचा है और न अर्थव्यस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया।। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेकिचयन ने स्वीकार कर लिया। नेशनल इरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोर्दाई को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस; बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रासबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत क्वात्रा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत,

वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कर्मशैल्य महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’

इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। क्वात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। क्वात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज



में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वहीं मसाला इस्तेमाल करता हूँ जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वहीं मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।’ क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। क्वात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग को याद करते हुए कहा कि उन्हें उस समय अमेरिकी कैफे में हल्दी वाला लहट्टे देखने को नहीं मिला था। उन्होंने

कहा, ‘मुझे याद नहीं है कि मैं अमेरिका में किसी कैफे में गया होऊँ और वहां हल्दी वाला लहट्टे देखा हो। मुझे नहीं लगता कि यह कैफे के मेन्यू में शामिल था।’ क्वात्रा ने अमेरिकी कैफे में इसकी हालिया लोकप्रियता की तुलना भारत में सदियों से हल्दी के इस्तेमाल और आयुर्वेद में इसकी अहमियत से की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय व्यवस्था में हल्दी ने ‘बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण भूमिका’ निभाई है। आईएनएस के साथ एक अलग बातचीत में क्वात्रा ने कहा कि भारतीय मसालों का इतिहास हजारों साल पुराना है और अमेरिकी लोग इनसे तेजी से परिचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में हम न सिर्फ अमेरिकी घरों तक भारतीय मसाले पहुंचा पाए हैं, बल्कि अमेरिकी समाज को भारतीय मसालों के समग्र और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में भी समझा पाए हैं। इसलिए, अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों का इस्तेमाल या उनका प्रसार सिर्फ खाने के स्वाद तक ही सीमित नहीं है। असल में, यह जर्जिया का स्वाद है क्योंकि यह आपके शरीर और आपकी समग्र सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। क्वात्रा ने कहा कि मकसद यह था कि भारतीय मसाले अमेरिकी खान-पान की आदतों में गहराई से शामिल हो जाएं। उन्होंने कहा, ‘सोच यह है कि भारतीय मसाले न सिर्फ अमेरिकी

समाज में दूर-दूर तक फैलें बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।’ राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेंड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खान-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। क्वात्रा ने कहा, ‘मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड एक अलग बातचीत में क्वात्रा ने ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेंड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है।’ क्वात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिस्ते को समझना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ‘यह मेरी परवरिश का हिस्सा है। और मुझे नहीं लगता कि आप मसालों की मार्केटिंग उस तरह से कर सकते हैं।’ भारतीय मसाले सदियों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे हैं। दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों में इन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्क्वाड



ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना सचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा फोर्ट हुड केस के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर ही दी जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सैनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वहां सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेंड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तर्फ बढ़ रही है। रुबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर कैट्रिन गुनार्सडॉटिर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रुबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।’ रुबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के

ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्मीक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, ‘असंलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कीटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि आपनी भौगोलिक स्थिति को वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है। अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है। मई में ‘आर्मी लॉपर’ पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फ्रांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है। ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सैन्य निष्पार्तित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

कैसे बची कैप्टन रिमत की जान?: ‘लगातार बह रहा था खून, होंट भी पड़ गए थे नीले’; अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव जा रही पलाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट रिमत मच्छर इसके असली हीरो रहे। दरअसल, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रैश भी हो सकता था। लेकिन रिमत ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद रिमत ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान चार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत रिमत को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुता मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रहे। बर्फ की मदद से खून रोकने की कोशिश की।

कपड़ों और बर्फ से कैसे रोका गया खून : मुसाएव ने बताया कि कैप्टन के रिए और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे, इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसाएव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए



रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेजी बहने लगता था। मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हो। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दर्द में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनकी नब्ज बहुत कम हो गई। तब मुसाएव ने उनके पैर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ज फिर लौट आई। जब कैप्टन के होंठ नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन दर्द की दवा मांग रहे थे। मुसाएव ने उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से दोबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सऊदी अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।

मॉस्को , एजेंसी। रूस के काला सागर तट के पास लाइबेरिया के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर पर यूक्रेनी ड्रोन हमले से आग लग गई। इस टैंकर पर सभी क्रू मेंबर भारतीय थे। रूसी परिवहन मंत्रालय ने बताया कि सभी 23 क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, टैंकर पर ‘नेवल ड्रोन’ से हमला किया गया, जिसके बाद काला सागर में कच्चे तेल में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि शुरू में दमकलकमी इसे बुझा नहीं पाए। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि आग की तीव्रता कम होने पर दमकलकमी इसे काबू में करने की एक और कोशिश करे। मंत्रालय ने बताया कि हमले के बादो क्रू के सभी 23 सदस्यों को बचा लिया गया। यह घटना काला सागर तट पर स्थित रूस के लोकप्रिय रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुई, जिसकी आबादी लगभग 5



लाख है। शोशल मीडिया पर वयरल हो रहे वीडियो में समुद्र में तेज चारंगी रंग की लपटें उठती दिख रही हैं जबकि सोची के पास आसमान में काले धुएँ का गुबार उठता देखा जा सकता है। शहर के मेयर ने शोशल मीडिया पर कहा कि घटना के बाद तट

और समुद्र तटों (बीचेस) तक लोगों की पहुंच पर रोक लगाई जा रही है। टैंकर पर यह हमला रोमानियाई तट के पास एक और जहाज में आग लगने और उसके डूबने के एक दिन बाद हुआ। उस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक अन्य लापता

हो गया था। यूक्रेन ने कहा कि ड्रोन हमला रूस ने किया था। उस घटना में एक भारतीय क्रू सदस्य भी घायल हुआ था। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से काला सागर के आसपास कर्मशैल्य शिपिंग पर हमले बढ़े हैं। जारी संघर्ष के बीच रूस और यूक्रेन ने ही इस क्षेत्र में जहाजों और समुद्री बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। हाल के दिनों में रूस ने सदस्य देश है) के तट के पास यूक्रेनी सामान ले जा रहे अनाज के जहाजों पर हमले किए हैं। वहीं, यूक्रेन का कहना है कि रूस के तेल इम्पोर्टरवर पर उसके हमले, मॉस्को द्वारा यूक्रेनी कस्बों और शहरों पर रात में किए जाने वाले हमलों के जवाब में सही हैं। दोनों पक्षों ने हाल के हफ्तों में अपने हमलों को और तेज करने का संकल्प लिया है।



शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है और कुछ छात्र संगठनों ने गुरुवार को फिर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि लगभग सभी मामलों में प्रतिक्रिया अनुपातिक थी और कुछ प्रदर्शन दंगों में बदल गए थे। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेलेनोर्न ने छात्रों की चिंताओं को सुनने और समाधान निकालने की बात कही। संसद में प्रदर्शन को लेकर सवालों के जवाब में उन्होंने

स्कूलों को प्रभावित करने वाली ‘अत्यधिक हिंसा’ की निंदा की और पुलिस पर नस्लभेद के आरोपों को झूठ बताया। **छात्रों और अभिभावकों में गुस्सा क्यों :** दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे कक्षा बहिष्कार और स्कूलों की नाकेबंदी के साथ पुलिस को कार्रवाई भी आंदोलन का बड़ा मुद्दा बन गई है। खबर के मुताबिक, अब तक 6,500 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस

के दंगा नियंत्रण हथियारों से गंभीर चोटें लगने के आरोपों के बीच सोमवार को एक घटना में 15 साल के एक लड़के का हाथ चला गया। गृह मंत्री नुनेज ने बताया कि 715 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र फेलिक्स बानी ने पुलिस की कार्रवाई को अनुपातहीन बताया और कहा कि नाबालिगों के साथ ऐसा व्यवहार समझ से परे है। वामपंथी फ्रांस अनबाउड पार्टी के सांसद अरिंलियन ले कोक ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लाठी, रबर की गोलियों और आंसू गैस के इस्तेमाल का जिक्र किया। आंदोलन को फ्रांस में व्यापक असंतोष का समर्थन मिल रहा है। छात्रों की शिक्षा से जुड़ी शिकायतों

के अलावा महंगाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती, बढ़ती गरीबी और संपत्ति की असमानता को लेकर भी नाराजगी है। पेरिस के 20वें जिले के हेलेन बुशे हाईस्कूल में प्रदर्शनकारियों ने कुर्डीशन और साइकिलें सड़क पर गिराकर अस्थायी बैरिकेड बना दिए। देशभर के स्कूलों और स्कूलों की तरह यह स्कूल भी बंद रहा। मंगलवार को 891 स्कूलों में पढ़ाई पूरी या आंशिक रूप से बाधित रही। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कई स्कूलों को बंद करना शुरू किया था, जिससे प्रदर्शन के दौरान स्कूलों को हो रहे नुकसान और छात्रों, कर्मचारियों तथा पुलिस के घायल होने के मामलों को कम किया जा सके।



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक की चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाती है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।



ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद हनी चाहिए। अब कुल्ला करें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूसीफिकेशन टेक्नीक



मेटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोग ने अपनी जिंदगी गवा दी, यहां

तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैडेमिक के दौरान मेटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठंडू के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैडेमिक फेटिंग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 153% ने माना की उन्हें मेटल हेल्थ इश्यूज पैडेमिक के

शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

व्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टाफ को न सिर्फ इस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नोर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।



वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्यूटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक योगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को संफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिपोर्ट भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के

खतरों का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्यूशन हर्ट फेलियर के खतरों की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजुर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लॉन्ग प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषित हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते हैं जिससे कई बार हमें आंस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिटटी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छीकआना, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नोबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान - बैवनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।



जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, परांटे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

आज 11 बजे बजेगा भूकम्प का सायरन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में भूकम्प के प्रति आमजन को जागरूक करने तथा राज्य में स्थापित भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत लगाए गए सायरन एवं सेंसरों का परीक्षण करने के लिए शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे राज्य में भूकम्प का सायरन बजाया जाएगा। यह सायरन किसी वास्तविक भूकम्प की सूचना नहीं होगा, बल्कि प्रणाली के परीक्षण और जन जागरूकता के उद्देश्य से बजाया जाएगा। गुरुवार को सायरन बजाए जाने को लेकर उपभोक्ताओं को भूदेव एप पर एलर्ट भी प्राप्त हुआ। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि शुक्रवार को होने वाले परीक्षण के माध्यम से लोगों को सायरन की आवाज से परिचित कराया जाएगा, ताकि वास्तविक भूकम्प की स्थिति में सायरन सुनकर लोग इसे पहचान सकें और घबराने के बजाय आवश्यक सावधानी बरत सकें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत 169 सेंसर और 112 सायरन स्थापित किए गए हैं। शुक्रवार को सायरन बजाकर इनकी कार्यप्रणाली का परीक्षण किया जाएगा। यदि किसी स्थान पर सायरन या प्रणाली में तकनीकी समस्या पाई जाती है तो उसे तत्काल ठीक करایया जाएगा, ताकि वास्तविक आपदा के समय चेतावनी प्रणाली प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। श्री सुमन ने बताया कि राज्य में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। सायरन एवं सेंसरों



भूकम्पीय गतिविधियों की निगरानी और चेतावनी की क्षमता में और सुधार होगा। उन्होंने बताया कि सायरन के परीक्षण के साथ भूदेव मोबाइल ऐप उपयोगकर्ताओं के मोबाइल फोन पर भी परीक्षण चेतावनी संदेश, वाइब्रेशन एवं बीप-बीप की ध्वनि प्राप्त होगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि भूदेव मोबाइल ऐप का अपडेटेड वर्जन अपने मोबाइल में इंस्टॉल/अपडेट रखें तथा ऐप को लोकेशन की अनुमति हमेशा के लिए प्रदान करें, ताकि वास्तविक भूकम्प की स्थिति में चेतावनी समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने आमजन से विशेष अपील की कि शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे सायरन बजने पर किसी प्रकार की घबराहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न करें। यह पूर्व

निर्धारित परीक्षण है। इस पहल का उद्देश्य आमजन को भयभीत करना नहीं, बल्कि भूकम्प के प्रति जागरूक, सतर्क और तैयार करना तथा राज्य की भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली को नियमित रूप से परखना है।

यूपसडीएमएफ की आमजन से अपील
उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि प्रत्येक माह की 09 तारीख को पूर्वाह्न 11.00 बजे सायरन बजने पर घबरएं नहीं। यह सायरन भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के नियमित परीक्षण एवं जन जागरूकता के लिए बजाया जाएगा। आमजन से अपने मोबाइल फोन में भूदेव मोबाइल ऐप का अपडेटेड वर्जन इंस्टॉल/अपडेट रखें, भूदेव मोबाइल को लोकेशन की अनुमति हमेशा के लिए प्रदान करें, सायरन की आवाज को ध्यान से पहचानें, ताकि वास्तविक भूकम्प की स्थिति में चेतावनी को समझने में कठिनाई न हो, नियमित सायरन परीक्षण के दौरान घबरएं नहीं और इसे भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के परीक्षण के रूप में समझें, परिवार के सदस्यों, बच्चों, बुजुर्गों तथा आसपास के लोगों को भी इस व्यवस्था के बारे में जानकारी दें, भूकम्प के दौरान सुरक्षित व्यवहार और आपदा प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्राप्त करें तथा आवश्यकता पड़ने पर मॉक ड्रिल में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

शिविर में ग्रामीण पहुंचे, जिम्मेदार अधिकारी पहुंचना भूले

नैनबाग (टिहरी)। यमुना नदी पर प्रस्तावित 300 मेगावाट लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित काश्तकारों के भूमि अभिलेखों के सत्यापन के लिए बृहस्पतिवार को नैनबाग तहसील में लगाया गया शिविर अधिकारियों के नहीं पहुंचने से खानापूर्ति साबित हुआ।

दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि तहसील प्रशासन और यूजेवीएनएल के अधिकार अधिकारी शिविर में नहीं पहुंचे जिससे वे अपनी समस्याएं और मुआवजे से जुड़े मामले अधिकारियों के सामने नहीं रख पाए। ग्रामीणों ने शिविर को महज खानापूर्ति बताते हुए रोष जताया। लखवाड़ परियोजना के लिए अर्जित भूमि से संबंधित अभिलेखों के सत्यापन के लिए मेरौड़, मेरगढ़, टटोर, खरसोन, खैराड़ और घिल्डिचक गांवों के काश्तकार नैनबाग तहसील सभाघार पहुंचे थे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि शिविर में प्रशासन और यूजेवीएनएल के अधिकारी मौजूद

रहेंगे। भूमि व परिसंपत्तियों से जुड़े लंबित मामलों पर बात होगी लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के नहीं पहुंचने से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया। ग्रामीण शरण सिंह पंचार, विष्णु कैतुरा, देशपाल पंचार, कैलाश बिजलिया, गंधी सिंह रावत ने आरोप लगाया कि प्रशासन प्रभावित काश्तकारों से बार-बार भूमि के दस्तावेज और शपथपत्र मांग रहा है जबकि उनकी भूमि से संबंधित अभिलेख तहसील में पहले से मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज जमा कराने के बावजूद परिसंपत्तियों के मुआवजे और अन्य समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में भी कई बार प्रभावितों से दस्तावेज मांगे जा चुके हैं। इसके बावजूद शिविर में अधिकारियों के नहीं पहुंचने से वे अपनी बात रखने से वंचित रह गए। यूजेवीएनएल की ओर से कुछ कर्मचारी शिविर में पहुंचे लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की गैरमौजूदगी में शिविर केवल औपचारिकता बनकर रह गया।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी को हिरासत में लेने का कांग्रेस ने किया विरोध

नई टिहरी/ लंबगांव। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग और राहुल गांधी को हिरासत में लेने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को बौराड़ी साई चौक और शहीद स्मारक लंबगांव में धरना दिया। हार्थी पर काली पट्टी बांधकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काला दिवस मनाया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग की। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राकेश राणा,विजय गुनसोला, जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल,देवेंद्र नौडियाल, आशा रावत, मुशर्रफ अली, शगुमता परवीन, नवीन सेमवाल, संदीप रावत, धूम सिंह रांगड, त्रैपन सिंह रावत, नल्था सिंह रावत, गोकल सिंह आदि मौजूद रहे।

गंगा आरती में पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता अनिल चरणजीत

ढालवाला। बॉलीवुड अभिनेता अनिल चरणजीत मुनि की रेती स्थित जानकी झूला पूर्णानंद घाट पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध प्रथम महिला गंगा आरती में शामिल हुए। उन्होंने मां गंगा की आरती व हवन कर दिव्य ऊर्जा की अनुभूति की। इस दौरान ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी गई और समाज सेवा में उनके योगदान को याद किया गया।ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिओम शर्मा से मुलाकात के दौरान अनिल चरणजीत ने महिलाओं की ओर से गंगा आरती संचालन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में बराबरी की सहभागिता ही असली महिला सशक्तिकरण है। महिलाओं का आत्मनिर्भर होना और स्वयं निर्णय लेना देश के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ज्योति शर्मा, आचार्य सोनिया राज, प्रियंका नेगी सहित उपस्थित लोगों ने दिवंगत नाना पाटेकर की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

वाहन चालकों को बांटे 150 कूड़ेदान

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए परिवहन विभाग ने वाहन चालकों को 150 से अधिक कूड़ेदान वितरित किए। एआरटीओ के अनुसार यात्रा शुरू होने से अब तक विभाग ने 3646 वाहनों के चालान कर 47.90 लाख रुपये का राजस्व शुल्क वसूला है। एआरटीओ धर्मद एस. बिष्ट ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से मंदकिनी टेक्सी यूनियन सहित अन्य वाहन चालकों को कूड़ेदान दिए गए।

देहरादून में सचिवालय कूच के दौरान बवाल



देहरादून। उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से देहरादून पहुंचे ग्राम प्रधानों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। परेड ग्राउंड से सचिवालय कूच के दौरान सुभाष रोड पर पुलिस और प्रदर्शनकारी ग्राम प्रधानों के

बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। ग्राम प्रधानों को सचिवालय की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग के सामने नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ने का

बलाण—आली बुग्याल को पर्यटन मानचित्र में शामिल करें

देवाला क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने बलाण—आली बुग्याल ट्रेकिंग मार्ग को उत्तराखंड पर्यटन के मानचित्र में शामिल करने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री को इस संबंध में एक ज्ञापन भेजा। ग्रामीणों ने बताया कि बलाण गांव से आली बुग्याल—बेदनी बुग्याल की दूरी करीब आठ से दस किलोमीटर है।

यह मार्ग पर्यटकों के लिए सुगम और सरल है। यदि इसे पर्यटन मानचित्र में शामिल किया गया तो ट्रेकिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही गांवों में होमस्टे योजना को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने दिए समयबद्ध कार्य पूरे करने के निर्देश

देहरादून, कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव आनंद बर्हान ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न निर्माण कार्यों और आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन कार्यों को समानांतर रूप से किया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर साथ-साथ पूरा किया जाए, ताकि समय का बेहतर उपयोग हो और कुंभ मेले से पहले सभी व्यवस्थाएं तैयार रहें।

अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता के लिए अभी से प्लानिंग
मुख्य सचिव ने कहा कि जनगणना और निर्वाचन संबंधी कार्यों के कारण कुंभ मेला 2027 के लिए आवश्यक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अभी से आवश्यक योजना तैयार की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को कुंभ मेले के लिए आवश्यक मानव संसाधन का आकलन कर



समय से तैनाती की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साइनेज पर क्यूआर कोड, तैयार होगा सर्मापंत ऐप मुख्य सचिव ने कुंभ मेला क्षेत्र में साइनेज की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने साइनेज पर क्यूआर कोड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, जिससे श्रद्धालुओं को संबंधित स्थल के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व सहित आवश्यक जानकारीया आसानी से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र की विभिन्न लोकेशन और

सुविधाओं की जानकारी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने के लिए एक सर्मापंत ऐप भी तैयार करया जा सकता है। मुख्य सचिव ने कुंभ मेले के लिए तैयार की जा रही स्थायी व्यवस्थाओं के मेले के बाद भी संचालन और रखरखाव की योजना अभी से तैयार करने को कहा। उन्होंने अस्थायी पुलों के निर्माण कार्य की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए नवंबर माह के अंत तक उन्हें अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

पछुवादून में गूंजा लोकतंत्र बचाओ का संदेश



विकासनगर। लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों और जनता के मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ कांग्रेस की लोकतंत्र बचाओ यात्रा गुरुवार को विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में पहुंची। कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं चक्रवर्ता विधायक प्रीतम सिंह के

नेतृत्व में निकली यह यात्रा हरबटपुर से शुरू होकर विकासनगर बाजार होते हुए अम्बाड़ी स्थित पंचार मार्केट तक पहुंची। यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। पछुवादून जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संजय किशोर के नेतृत्व में

110 ग्रामीणों की आंखों की

हुई जांच, 36 को बांटे चरमे रुद्रप्रयाग। विश्व दृष्टि दिवस पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर नेत्र जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में 110 ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई

जिनमें 18 लोग मोतियाबिंद से ग्रसित मिले। वहीं 36 लोगों को निशुल्क चरमे वितरित किए गए। अग्रस्थमूर्ति ब्लॉक के पंचपैयाखाल में 26 लोगों की जांच में दो बच्चों में दृष्टिदोष पाया गया। ऊड़ीमठ ब्लॉक के मनसूना में 33 लोगों की जांच की गई और पांच को चरमे दिए गए। जखौली ब्लॉक के मेदनपुर में 51 लोगों की जांच हुई और 31 को चरमे वितरित किए गए जबकि नौ लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। विशेषज्ञों ने बच्चों के मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर के अत्यधिक इस्तेमाल पर चिंता जताई। उन्होंने स्त्रीक का सीमित इस्तेमाल करने, पीछेक आहार लेने, इतरे पतेदार सब्जियां खाने, नियमित आंखों की जांच कराने और धूम्रपान से बचने की सलाह दी।

आंधी ने गिराई बिजली, गुलदार ने रोकी मरम्मत

ऋषिकेश/रायवाला। बुधवार शाम तेज आंधी और बारिश के कारण प्रतीतनगर, रायवाला, गोहरीमाफी और खांडावांग की करीब 50 हजार आबादी की बिजली करीब 16 घंटे तक गुल रही। वीरभद्र से रायवाला बिजली सब स्टेशन को आने वाली 33 केवी लाइन में राजाजी टाइगर रिजर्व के जंगल के भीतर फॉल्ट आने के कारण आपूर्ति र्प हो गई। रात में जंगल के अंदर गुलदार के खरों के चलते ऊर्जा निगम की टीम फॉल्ट ठीक करने नहीं जा सकी। वृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे टीम ने फॉल्ट ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल की। बिजली गुल

रहने से रात में ओवरहेड टैंक की नहीं भर सके, जिससे बृहस्पतिवार सुबह पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही।

बुधवार शाम करीब चार बजे तेज हवाओं और बारिश के बीच क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। कुछ देर इंतजार के बाद भी बिजली नहीं आई तो ऊर्जा निगम की टीम फॉल्ट तलाशने और उसे ठीक करने के लिए मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि वीरभद्र से रायवाला बिजली सब स्टेशन के लिए आने वाली 33 केवी लाइन में राजाजी टाइगर रिजर्व की सीमा के अंदर फॉल्ट आया है।



सुविधाओं की जानकारी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने के लिए एक सर्मापंत ऐप भी तैयार करया जा सकता है। मुख्य सचिव ने कुंभ मेले के लिए तैयार की जा रही स्थायी व्यवस्थाओं के मेले के बाद भी संचालन और रखरखाव की योजना अभी से तैयार करने को कहा। उन्होंने अस्थायी पुलों के निर्माण कार्य की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए नवंबर माह के अंत तक उन्हें अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर
कुंभ मेला क्षेत्र में पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकारी और सरकारी एजेंसियों की भूमि पर पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित कार्य तत्काल शुरू किए जाएं, ताकि समय रहते व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें। उन्होंने नहरखेदी के दौरान किए जाने वाले कार्यों की पूर्व तैयारी पूरी करने और इस अवधि का अधिकतम उपयोग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी तैयारियां पहले से पूरी कर निर्धारित अवधि में कार्य संपन्न किए जाएं।

पेयजल और सिंचाई कार्यों की नियमित समीक्षा मुख्य सचिव ने सिंचाई एवं पेयजल विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी करने और कुंभ मेला शुरू होने से पहले सभी कार्य पूरे करने पर जोर दिया। उन्होंने मेलाधिकारी और संबंधित विभागाध्यक्षों को स्वयं इन कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

आपदा से जल संस्थान की 337 पेयजल योजनाएं क्षतिग्रस्त

नई टिहरी। जिले में इस वर्ष अतिवृष्टि और आपदा से जल संस्थान की बड़ी—छोटी 337 पेयजल योजनाओं को नुकसान पहुंचा है। सभी क्षतिग्रस्त योजनाओं के मरम्मत के लिए करीब 7.84 का प्रस्ताव तैयार किया है।

आपदा के कारण घनसाली में सबसे अधिक 196 योजनाएं को नुकसान पहुंचा है। आपदा और अतिवृष्टि के कारण जिले में जल संस्थान की घनसाली, नई टिहरी और देवप्रयाग शाखा की कई पेयजल योजनाओं को नुकसान पहुंचा है। तीन शाखाओं ने उनके अधीन आने वाली क्षतिग्रस्त हुई पेयजल योजनाओं की रिपोर्ट तैयार विभाग के मुख्य कार्यालय नई टिहरी सौंपा दी है। जल संस्थान की इकाइयों को योजनाओं की मरम्मत

66,317 पद खाली थे। यानी स्वीकृत पदों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी भरा नहीं जा सका है। ग्रुप—ए, ग्रुप—बी, ग्रुप—सी और ग्रुप—डी सभी श्रेणियों में पद रिक्त हैं। सरकारी विभागों में इतनी बड़ी संख्या में रिक्तियां होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया की रफ्तार और रोजगार के अवसरों को लेकर युवाओं में सवाल उठ रहे हैं। पर्वतीय जिलों से लगातार पलायन और रोजगार की तलाश में युवाओं के दूसरे राज्यों का रुख करने के बीच यह आंकड़ा सरकार के सामने बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा सकता है।

कर्ज बढ़ने के साथ ब्याज का भी दबाव

राज्य के बजट पर कर्ज के साथ ब्याज भुगतान का भार भी बढ़ रहा है। 2026—27 में ब्याज भुगतान के लिए हजारों करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका सीधा असर राज्य के विकास कार्यों और नई योजनाओं के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों पर पड़ सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों और आम जनता के बीच यह बहस तेज होना स्वाभाविक है कि राज्य को कर्ज लेने के साथ—साथ ऐसी आर्थिक रणनीति पर भी जोर देना चाहिए, जिससे स्थायी रोजगार, निजी निवेश, उद्योग और स्वरोजगार के अवसर तेजी से बढ़ें।

देहरादून में बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून—व्यवस्था पर कांग्रेस ने जताई चिंता



नियमित मौजूदगी बढ़ाई जानी चाहिए।

कॉलेज और छात्रावासों के आसपास गश्त बढ़ाने की मांग
कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने डीएवी, डीबीएस, ग्राफिक एग, यूपीईएस सहित प्रमुख कॉलेजों,

कोचिंग सेंटरों और छात्रावासों के आसपास मनचलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने महिला चीफ पुलिस की नियमित गश्त सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील एवं बाजार क्षेत्रों में सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की मांग भी रखी।

नशे के मुख्य नेटवर्क पर हो कार्रवाई

नशाखोरी के मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शैक्षणिक

संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने केवल छोटे स्तर पर कार्रवाई के बजाय नशे के मुख्य तस्करों और पूरे नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र

उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागोन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

एशियन पैरा गेम्स: प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।



भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको



एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।' भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। मैं उम्मीद

करती हूँ कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरे, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।' दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान की शुरुआत करेंगी। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है। प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियां और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी।पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का



विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना

अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिहत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शोखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।' मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्मों देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी श्रद्धाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर इंटेंस और जिंदगी में इंटेंस। स्ट्रेज पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सी प्रतिशत किया। कितना दुखद दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद है। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। वाहें मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले-न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं। चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूँ, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना ​​है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।



फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूँ कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा



नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कप्तान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है।होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले की सेवाएं खो चुकी है।बहुतुले अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।'रिकी पोंटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार झ20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में ये स्टार खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफाईंग प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमों हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।